ओ कीहदा माहि पाई बैठा चोला लाल

आजा बेहने जीतिये नि सुन ले प्रीतिये ने,
वेख सामने बैठा तेरे रज रज करिये दीदार नि,
ओ कीहदा कीहदा माहि पाई बैठा चोला लाल,

दिल न ठगे किना सोहना विच कोई शहद ही होना,
जेहड़ा भी लढ़ लगदा एह्दे हुँदा मालो माल.
ओ कीहदा कीहदा माहि पाई बैठा चोला लाल,

नचदी तपड़ी सब नु दस्दी सइयो ना गल मेरे वसदी,
इश्क़ ओहदे विच चली होजा पौंदी फिरा धमाल,
ओ कीहदा कीहदा माहि पाई बैठा चोला लाल,

वेख वेख न रज दिया अखा दिल दियां गला कीह्नु दसा,
मन मंदिर विच वस् गया मेरे गल हुंदी पुहार,
ओ कीहदा कीहदा माहि पाई बैठा चोला लाल,

ऐसा माहि मिल जाए मैनु दिल दे विच वसा ला जह्नु,
कर्म जीत दे वांगु जोगी हो जा आज निहाल,
ओ कीहदा कीहदा माहि पाई बैठा चोला लाल,

Source: https://www.bharattemples.com/oo-kihda-maahi-paai-betha-chola-laal-/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw